प्रतिवेदन 2024–25

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में विभिन्न संकायों में कुल लगभग 3500 छात्राऐं अध्ययनरत हैं। महिला अधिकारी एवं कर्मचारियों की संख्या कुल 32 है। महाविद्यालय में सामजस्यपूर्ण वातावरण बनाए रखने हेतु महिला प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। यह प्रकोष्ठ कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न अधिनियम 2013 के अनुसार शिकायत समिति के रूप में कार्य करता है। संस्थान अपने छात्रों/कर्मचारियों के लिए बेहतर शिक्षा और काम के माहौल को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। लैंगिक भेदभाव और अनुचित आचरण को रोकना महिला प्रकोष्ठ का उद्देश्य है।

(1) बस्तर कला पर कार्यशाला :–

महाविद्यालय में 17 से 21 मार्च तक पी.एम.उषा एवं महिला सेल के संयुक्त तत्वाधान में महिला विकास के अन्तर्गत वर्ली तथा बस्तर कला पर पाँच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रशिक्षण के रूप में श्रीमती नीलिमा सोनूले पूर्व अकादमीशियन एवं प्रशिक्षण छत्तीसगढ़ शिल्प बोर्ड उपस्थित रही । इस कार्यशाला में विज्ञान महाविद्यालय तथा कमला कालेज राजनांदगांव तथा दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव की 100 छात्राओं ने भाग लिया ।

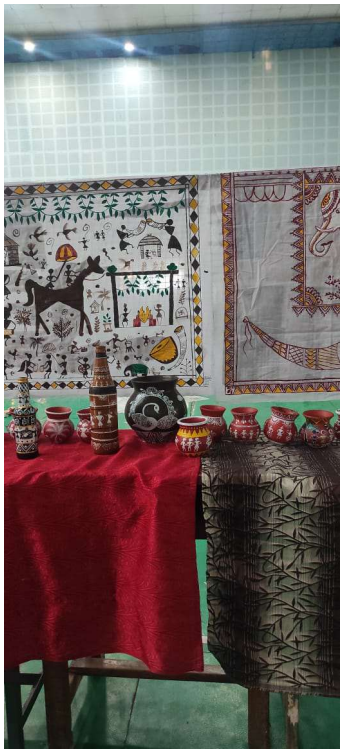

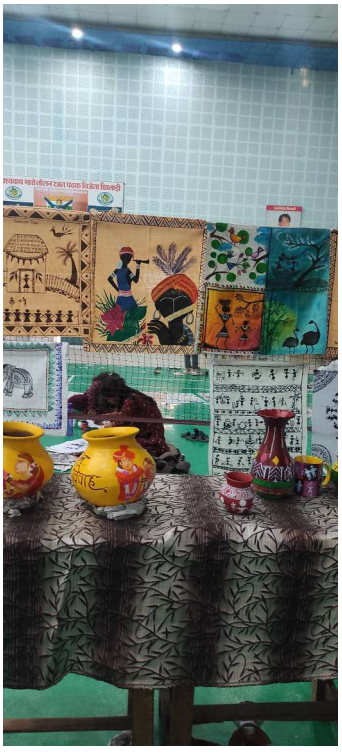

(2) अर्न्तराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला मड़ई का आयोजन –

8 मार्च को महिला प्रकोष्ठ तथा समाजशास्त्र एवं समाजकार्य के संयुक्त तत्वाधान में महिला मड़ई का आयोजन किया गया। इस आयोजन से छात्राओं में आत्मविश्वास एवं स्वयं के रोजगार एवं महिला स्वालम्बन को बढ़ावा मिलता है। इस अवसर पर छात्र–छात्राओं ने 19 स्टाल लगाए तथा क्राफ्ट प्रदर्शिनी का आयोजन भी किया गया । इस मड़ई से 22480 रूपये का लाभ छात्र–छात्राओं ने प्राप्त किया ।

दिग्विजय महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिला मड़ई का आयोजन

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में प्राचार्य डॉक्टर सुचित्रा गुप्ता के मार्गदर्शन में महिला प्रकोष्ठ समाजशास्त्र एवं समाज कार्य के संयुक्त तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला मड़ई का आयोजन किया गया । प्राचार्य डॉ सुचित्रा गुप्ता ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करने हेतु मड़ई में छात्र-छात्राओं द्वारा बनाए गए व्यंजनो तथा क्राफ्ट की खरीदारी की और उनका उत्साह वर्धन किया । प्राचार्य ने कहा कि ऐसे आयोजनों से छात्राओं में आत्मविश्वास एवं कौशल का विकास होता है साथ ही साथ उनके स्वयं के रोजगार के मार्ग भी प्रशस्त होते हैं और महिला स्वालंबन को बढ़ावा मिलता है। इस महिला मड़ई में छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न व्यंजनों तथा क्राफ्ट से संबंधित कुल 19 स्टॉल लगाए गए । विद्यार्थियों के द्वारा गुपचुप, सैंडविच, मुँगौड़ी, शरबत, बर्फ गोला, इत्यादि के स्टाल लगाए गए । इस अवसर पर छात्र-छात्राओं में बहुत उत्साह देखा गया । समाजशास्त्र विभाग से श्रीमती ललिता साहू, महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका डॉ मीना प्रसाद एवं महिला सदस्य डॉ आराधना गोस्वामी, डॉ प्रियंका सिंह, डॉ स्वयं सिद्ध झा, डॉ किरण जैन, श्रीमती रोहिणी समरित तथा अन्य प्राध्यापक भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे । इस मड़ई में 22480/- रुपए का लाभ विद्यार्थियों ने प्राप्त किया । महिला मडई में विद्यार्थियों के मध्य प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया । क्राफ्ट प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अनन्या स्वर्णकार , द्वितीय स्थान रागिनी देवांगन तथा तृतीय स्थान तृप्ति बार्ले के द्वारा प्राप्त किया गया । व्यंजन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान लोकेश सोनकर समूह, द्वितीय स्थान प्रतिभा तथा समूह एवं तृतीय स्थान गीतांजलि समूह तथा खिलेंद्र साहू समूह द्वारा प्राप्त किया गया ।

(3) एक दिवसीय क्राफ्ट प्रशिक्षण –

महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ के द्वारा छात्राओं के लिए एक दिवसीय कार्यशाला पुराने कागजों से क्राफ्ट प्रशिक्षण का आयोजन किया गया । प्रशिक्षण देने के लिए क्राफ्ट प्रशिक्षक गोपाल राय नई दिल्ली से उपस्थित रहे । उन्होने छात्राओं को पुराने न्युजपेपर से विभिन्न प्रकार के सजावट की सामग्री को बनाने का प्रशिक्षण दिया ।

महाविद्यालय में क्राफ्ट प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव की महिला प्रकोष्ठ के तत्वाधान में प्राचार्य डॉ सुचित्रा गुप्ता के नेतृत्व में एवं महिला प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ मीना प्रसाद के मार्गदर्शन में छात्राओं के लिए एक दिवसीय कार्यशाला पुराने कागजों से क्राफ्ट प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। छात्राओं को प्रशिक्षण देने के लिए क्राफ्ट कलाकार गोपाल राय नई दिल्ली से कार्यक्रम में उपस्थित थे उन्होंने विद्यार्थियों को पुराने न्यूजपेपर से तरह-तरह के सजावट के आकर्षक झालर, कबूतर विभिन्न प्रकार के फूल और डाँसिंग डॉल बनाना सिखाए। कार्यक्रम में अपने उद्बोधन में प्राचार्य डॉ सुचित्रा गुप्ता जी ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण से बालिकाओं में आत्मनिर्भरता एवं कौशल का विकास होता है तथा उनके लिए रोजगार के नए नए अवसर खुलते हैं। उन्होंने बालिकाओं को इस प्रकार के कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर प्रतिभागिता करने के लिए प्रोत्साहित किया। महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्र एवं छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम में महाविद्यालय के रजिस्ट्रार दीपक परगनिया, महिला प्रकोष्ठ की सदस्य डॉ नीलम तिवारी, डॉक्टर प्रियंका सिंह डॉ स्वयं सिद्ध झा, डॉ.किरण जैन तथा अन्य प्राध्यापिकाओं ने अपना सहयोग प्रदान किया।

महिला प्रकोष्ठ द्वारा एकदिवसीय क्राफ्ट प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन दिग्विजय में संपन्न

राजनांदगांव (दावा)। शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव की महिला प्रकोष्ठ के तत्वाधान में प्राचार्य डॉ.सुचित्रा गुप्ता के नेतृत्व में एवं महिला प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ.मीना प्रसाद के मार्गदर्शन में छात्राओं के लिए एक दिवसीय कार्यशाला पुराने कागजों से क्राफ्ट प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

छात्राओं को प्रशिक्षण देने के लिए क्राफ्ट कलाकार गोपाल राय नई दिल्ली से कार्यक्रम में उपस्थित थे उन्होंने विद्यार्थियों को पुराने न्यूज़पेपर से तरह-तरह के सजावट के आकर्षक झालर, कबूतर विभिन्न प्रकार के फूल और डांसिंग डॉल बनाना सिखाए। कार्यक्रम में अपने उद्बोधन में प्राचार्य डॉ.सुचित्रा गुप्ता जी ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण से बालिकाओं में आत्मनिर्भरता एवं कौशल का विकास होता है तथा उनके लिए रोजगार के नए नए अवसर खुलते हैं। उन्होंने कहा कि कागजों से बने होम डेकोरेशन के सामान पर्यावरण के लिए बिल्कुल सुरक्षित है क्योंकि इसमें किसी भी प्रकार के प्लास्टिक या केमिकल का प्रयोग नहीं होता है तथा यह कम संसाधनों और पैसे में बनकर तैयार हो जाते हैं। उन्होंने बालिकाओं को इस प्रकार के कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर प्रतिभागिता करने के लिए प्रोत्साहित किया। महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्र एवं छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम में महाविद्यालय के रजिस्ट्रार दीपक परगनिया, महिला प्रकोष्ठ की सदस्य डॉ.नीलम तिवारी, डॉक्टर प्रियंका सिंह डॉ.स्वयं सिद्ध झा, डॉ.किरण जैन तथा अन्य प्राध्यापिकाओं ने अपना सहयोग प्रदान किया कार्यक्रम का संचालन डॉ.आराधना गोस्वामी ने किया।

दावा 26/2/25

दिग्विजय में महिलाओं के विधिक अधिकार विषय पर कार्यशाला

नवभारत रिपोर्टर. राजनांदगांव।

3 जनवरी को शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ किरण लता दामले के मार्गदर्शन में पीएम उषा अभियान के तहत पांच दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया गया कार्यक्रम का आयोजन पीएम उषा समिति महिला प्रकोष्ठ एवं आइक्यूएसी प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान में किया गया कार्यक्रम के प्रथम दिवस की मुख्य वक्ता रायपुर से पधारी एडवोकेट गरिमा सीदार सेंटर फॉर रिसर्च एंड लर्निंग सुप्रीम कोर्ट इंडिया से उपस्थित थी। मुख्य वक्ता ने छात्राओं को नए संशोधित आपराधिक कानून के तहत महिलाओं के विधिक अधिकार, उनका सामाजिक एवं विधिक रूप में प्रभाव और सामाजिक आकलन विषय पर जानकारी प्रदान की । उन्होंने बताया कि यौन संबंधी हिंसात्मक अपराध होने पर महिलाओं के सुरक्षा के तहत विधिक प्रक्रिया एवं सजा के संबंध में जानकारी दी । अतिथि वक्ता ने छात्राओं के विभिन्न जिज्ञासाओं एवं प्रश्नों का समाधान किया । माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय द्वारा समय-समय पर दिए गए विधिक निर्णय से अवगत कराया। राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर महिलाओं से संबंधित लैंगिक समानता के आंदोलन से भी परिचित कराया। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ दामले ने अपने स्वागत उद्बोधन में छात्राओं को कानूनी जागरूकता के इस विषय के महत्व की आवश्यकता के बारे में बताया। पीएम उषा समिति के संयोजक डॉ संजय ठीसके ने भारत सरकार द्वारा संचालित पीएम उषा के उद्देश्यों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ नीलू श्रीवास्तव ने इस कार्यक्रम की बारीकियों एवं नियम के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ अनीता साहा एवं आभार प्रदर्शन महिला प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ मीना प्रसाद ने किया। कार्यक्रम में नगर के विभिन्न कॉलेजों की छात्राओं ने निशुल्क पंजीयन कराया और कार्यक्रम का लाभ उठाया।

(4) महिलाओं के विधिक अधिकार विषय पर कार्यशाला –

3 जनवरी 2025 को महाविद्यालय में पी.एम. उषा अभियान के तहत पाँच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रथम दिवस – रायपुर से एडवोकेट गरिमा सीदार सेंटर फॉर रिसर्च एण्ड लर्निंग सुप्रीम कोर्ट इंडिया से उपस्थित थी।

(5) वीमेन हेल्थ एण्ड हाइजीन विषय पर व्याख्यान –

दिनांक 15 अक्टूबर 2024 को महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ, रेड क्रॉस, गृह विज्ञान के संयुक्त तत्वाधान में हेल्थ एण्ड हाइजीन विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया । मुख्य वक्ता डॉ. अनीशा कुर्रे एम.बी.बी.एस. मेडिकल कालेज पेंडरी, राजनांदगांव उपस्थित थी।

(6) लोकमाता अहिल्या बाई होल्कर त्रिशताब्दी जन्म समारोह कार्यक्रम –

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ द्वारा लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी जन्म समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में समाजसेवी एवं चितक नारायण नामदेव महाविद्यालय के जन भागीदारी अध्यक्षता अतुल रायजादा होल्कर समिति के अध्यक्ष विष्णु प्रसाद साव, समाजसेवी राधे श्याम शर्मा उपस्थित थे। होल्कर ने महिला सशक्तिकरण के लिए उल्लेखनीय कार्य किये।

(7) राष्ट्रीय बालिका दिवस –

24 जनवरी 2025 को महाविद्यालय में राष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन किया गया । अतिथि व्याख्यान के लिए डॉ. बी.एन. जागृत उपस्थित रही । उन्होंने अपने व्याख्यांन में कहा कि पुरूष प्रधान समाज में नारी को अपनी प्रतिभा के बल पर सम्मान अर्जित करना होगा।

(8) जनजाति समाज का गौरवशाली अतीत पर एक दिवसीय कार्यशाला –

महाविद्यालय में जनजातीय समाज का गौरवशाली अतीत, ऐतिहासिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक योगदान विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया । मुख्य अतिथि डॉ. राजेश पाण्डे अपर संचालक क्षेत्रीय कार्यालय दुर्ग उच्च शिक्षा विभाग उपस्थित रहे। डॉ. शैलेन्द्र सिह ने जनजाति समाज के इतिहास संस्कृति, रहन–सहन, कृषि व्यवसाय पर प्रकाश डाला ।

(9) रिसर्च मेथोलाजी पर सात दिवसीय कार्यशाला –

पी.एम.उषा के अन्तर्गत वनस्पति विज्ञान विभाग वनस्पति विज्ञान एवं महिला सेल के संयुक्त तत्वाधान में रिसर्च मेथोडोलाजि विषय पर 5 से 13 फरवरी तक 7 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया । मुख्य वक्ता बी.वाय.टी.पी.जी.कालेज दुर्ग के भूगर्भ विभाग के डॉ. प्रशांत कुमार श्रीवास्तव उपस्थित रहे।